जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

8 फ़रवरी 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के भूगोल विभाग ने किया विकसित भारत अभियान के तहत व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के भूगोल विभाग ने भारत सरकार की विकसित भारत पहल के तहत डॉ. बृजेंद्र कुमार मिश्रा, सलाहकार (जीआईएस, रिस्क एंड वल्नरएबिलिटी एनालिसिस) द्वारा, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण 6 फरवरी, 2024 को "इफेक्टिव यूज़ ऑफ़ स्पेस बेस्ड प्रोडक्ट्स एंड जिओस्पेसिअल टेक्नोलोजी इन डिजास्टर रिस्क रिडक्शन" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान उस समृद्ध विरासत और शैक्षणिक उत्कृष्टता के जवाब में एक जीवंत प्रतिबिंब था जो जामिया में एक सदी से अधिक समय से कायम है। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित अतिथियों, प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों और समर्पित छात्रों ने भाग लिया, जो शिक्षा, अनुसंधान और सामुदायिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता वाली संस्था का सम्मान करने के लिए एकत्र हुए।

भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर हारून सज्जाद ने अतिथि वक्ता, संकाय सदस्यों और सभी छात्रों का स्वागत किया। सत्र की अध्यक्षता जामिया के चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर अतीकुर रहमान ने की। डॉ. बृजेंद्र कुमार मिश्रा ने अपना व्याख्यान देते हुए कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के भारत के दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने विश्व जोखिम सूचकांक रिपोर्ट, 2022 का हवाला देते हुए विभिन्न आपदाओं के संदर्भ में भारत की वल्नरएबिलिटी प्रोफ़ाइल पर चर्चा की। इसके बाद स्वदेशी प्रौद्योगिकियों पर चर्चा हुई, जिन्हें भारत ने आपदा जोखिम में कमी के लिए विकसित किया है। उनका मुख्य ध्यान ड्रोन टेक सॉल्यूशंस जैसी हाल ही में विकसित प्रौद्योगिकियों पर था, जो सर्वेक्षण, विश्लेषण और निगरानी के क्षेत्रों में उच्च तकनीक सेवाओं में अत्याधुनिक सेवाएं प्रदान करती हैं।

डॉ. बृजेंद्र ने GEO-INT प्रौद्योगिकी पर भी प्रकाश डाला जो निगरानी और ट्रैकिंग के लिए उपयोग की जाने वाली एक वास्तविक समय संपत्ति है। चर्चा मैपमायइंडिया, मैपल्स, आईओटी और उनके व्यापक अनुप्रयोगों जैसे भू-स्थानिक विश्लेषण, लाइव ट्रैफिक अपडेट और आपदा टास्क फोर्स की लाइव निगरानी के आसपास भी घूमती रही। 2021 की उत्तराखंड बाढ़ की केस स्टडी का भी हवाला दिया गया. व्याख्यान के अंत में, उन्होंने आपदा प्रबंधन निधि पर वर्तमान विकास पर भी जोर दिया और राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर नोडल एजेंसियों पर चर्चा की।

भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हारून सज्जाद ने अपनी अध्यक्षीय टिप्पणी दी। व्याख्यान के बाद एक संवादात्मक चर्चा हुई जिसमें डॉ. बृजेंद्र ने पीएचडी विद्वानों और आपदा प्रबंधन के छात्रों के साथ बातचीत की। डॉ. ग़ज़ल सलाहुद्दीन, प्रभारी - विस्तार व्याख्यान और वेबिनार ने कार्यक्रम का संचालन किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। एक सकारात्मक नोट के साथ व्याख्यान समाप्त हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया